

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 403]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 20, 2011/आषाढ़ 29, 1933

No. 403]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 20, 2011/ASADHA 29, 1933

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन संकेत)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 2011

सा.का.नि. 553(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उप-धारा (1) के साथ पठित, धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा चेन्नई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1987 में आगे संशोधन के लिए चेन्नई का पत्तन के लिए बोर्ड न्यासियों द्वारा बनाए गए चेन्नई पत्तन न्यास कर्मचारी (आचरण) सुधार विनियम, 2011 अनुमोदन करती है और उन्हें इस अधिसूचना को अनुसूची में रख दिया गया है।

2. उक्त संशोधन विनियम कार्यालय राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगा।

अनुसूची

चैने पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (आचरण) संशोधन विनियम, 2011

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38वाँ) की धारा 28 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चैने पोर्ट के बोर्ड के न्यासियों द्वारा निम्नलिखित विनियम को, चैने पोर्ट कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1987 को आगे संशोधित किया जाता है। जैसे :—

1. लघु शीर्ष तथा प्रारंभ :—

(ए) ये विनियम चैने पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (आचरण)

(संशोधन) विनियम, 2011 माने जाएंगे।

(बी) राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से संशोधन विनियम लागू होंगे।

2. मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1987 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :

(i) मौजूदा विनियम 4 के उप-विनियम (22) “कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न” को हटाया जाएगा।

(ii) निम्नलिखित को विनियम 4 के उप-विनियम ए के रूप में शामिल किया जाएगा।

4-ए. कार्यरत महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोक

1. कोई भी पोर्ट के कर्मचारी को कार्यस्थल में कोई भी महिला के प्रति किसी भी प्रकार का यौन उत्पीड़न के मामले में शामिल नहीं होना है;

2. हरेक पोर्ट कर्मचारी जो कार्यस्थल के प्रभारी हो को ऐसे कार्यस्थल में कार्यरत किसी भी महिला के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए।

स्पष्टीकरण : इन विनियम के प्रयोजनार्थ, “यौन उत्पीड़न” में ऐसे अप्रिय यौन आचरण सीधे या अन्य व्यवहार शामिल हैं, जो :

ए. शारीरिक उत्पीड़न और आगे

बी. शब्दों या संकेत द्वारा यौन प्रोत्साहन के लिए माँग या अनुरोध

सी. यौन सांकेतिक टिप्पणी

डी. अश्लील साहित्य दिखाना

ई. यौन प्रकृति के अन्य अप्रिय शारीरिक, मौखिक या सांकेतिक आचरण

(iii) मौजूदा विनियम 15 के उप विनियम (3) को निम्नलिखित अनुसार प्रतिस्थापित किया जाएगा :

विनियम 15 (3)

जब कभी, कर्मचारी अपने नाम पर, या अपने

परिवार सदस्यों के नाम पर किसी चल संपत्ति का लेनदेन समझौता करता है, अगर उस संपत्ति का मूल्य वर्ग I या वर्ग II पद के कर्मचारियों के मामले में रुपए 20,000 से ज्यादा तथा वर्ग III या वर्ग IV पदों के कर्मचारी के मामले में रुपए 15,000 से ज्यादा हो तो उसे ऐसे लेन-देन की दिनांक से एक माह के अन्दर अध्यक्ष को उसके बारे में रिपोर्ट कर देना चाहिए :

बशर्ते कि अगर कर्मचारी के साथ कार्यालयीन व्यवहार रखने वाले व्यक्ति के साथ लेन-देन हो तो अध्यक्ष से पूर्वानुमोदन लिया जाना होगा ।

स्पष्टीकरण-I : इन विनियमों के प्रयोजनार्थ चल सम्पत्ति शब्द में निम्नलिखित शामिल हैं :-

ए. गहने, बीमा पालिसी, जो रु. 10,000 से अधिक के वार्षिक प्रीमियम वाले हो या बोर्ड से प्राप्त कुल वार्षिक आय में से 1/6 की राशि, इसमें से जो भी कम हो, शेयर, सेक्यूरिटी तथा डिबेंचर

बी. कर्मचारी द्वारा ली गई सभी ऋण, सुरक्षित या नहीं सी. मोटर कार, मोटर साईकिल, घोड़ या अन्य कोई भत्ते तथा

डी. कम्प्यूटर्स, रेफ्रिजरेटर्स, रेडियो (रेडियोग्राम या टेलीविजन) प्रूजिकल सिस्टम या अन्य कोई इलेक्ट्रॉनिक आइटम ।

(iv) निम्नलिखित को विनियम 19-ए में शामिल किया जाएगा ।

19-ए व्याख्या :

इन विनियमों के व्याख्या पर संदेह के मामले में, मामले के निर्णय हेतु अध्यक्ष को संदर्भित किया जाएगा ।

[फा. सं. यी आर-12016/5/2010-पी ई-1]

राकेश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :- मुख्य विनियम, दिनांक 4 मई, 1987, सं. स.का.नि. 450(अ) द्वारा भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और दिनांक 24-9-1990, सं. स.का.नि. 810(अ) तथा दिनांक 25-9-2000 सं. स.का.नि. 746(अ) द्वारा संशोधित किए गए थे ।

MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 2011

G.S.R. 553(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Chennai Port Trust Employees' (Conduct) Amendment Regulations, 2011 made by the Board of Trustees for the Port of Chennai further to amend the Chennai Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987 and are set out in the Schedule to this Notification.

2. The said Amendment Regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

CHENNAI PORT TRUST EMPLOYEES' (CONDUCT) AMENDMENT REGULATIONS, 2011

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Chennai hereby makes the following regulations further to amend the Chennai Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987, namely :—

1. Short Title and commencement :—

- (a) These Regulations may be called the Chennai Port Trust Employees' (Conduct) (Amendment) Regulations, 2011.
- (b) The amendment Regulations shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.

2. In the Chennai Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987, the following Amendments shall be made :—

- (i) The existing sub-regulation (22) of regulation 4 “Sexual harassment of women in the work” place shall be deleted.
- (ii) The following shall be included as sub-regulation ‘A’ of Regulation 4.

4-A. Prohibition of Sexual harassment of working women :

- (1) No Port employee shall indulge in any act of sexual harassment of any women at her workplace;
- (2) Every Port employee who is in-charge of a workplace shall take appropriate steps to prevent sexual harassment to any woman at such workplace.

Explanation : For the purpose of this Regulation, “sexual harassment” includes such unwelcome sexually determined behaviour, whether directly or otherwise, as :

- (a) physical contact and advances;
- (b) demand or request for sexual favours; whether by words or actions;
- (c) sexually coloured remarks;
- (d) showing pornography;
- (e) any other unwelcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature.
- (iii) The existing sub-regulation (3) of regulation 15 shall be substituted as under :

Regulation 15 (3)

Where an employee enters into a transaction in respect of movable property either in his own name or in the name of the member of his family, he shall, within one month from the date of such transaction, report the same to the Chairman, if the value of such property

exceeds twenty thousand rupees in the case of an employee holding any Class I or Class II post or fifteen thousand rupees in the case of an employee holding any class III or class IV post :

Provided that the previous sanction of the Chairman shall be obtained by the employee if any such transaction is with a person having official dealings with him.

Explanation-I : For the purpose of this Regulation, the expression "movable property" includes :—

- (a) Jewellery, insurance policies, the annual premia of which exceeds Rs. 10,000 or one-sixth of the total annual emoluments received from the Board whichever is less, shares, securities and debentures.
- (b) All loans, whether secured or not advanced or taken by the employee;
- (c) Motor cars, motor cycles, horses or any other means of conveyance; and

- (d) Computers, Refrigerators, radios (radiograms and television sets), Musical systems or any other Electronics items.
- (iv) The following shall be included as Regulation 19-A :

19-A. INTERPRETATION

Where a doubt arises as to the interpretation of any of the provision of the regulations, the matter shall be referred to the Chairman for a decision.

[F. No. PR-12016/5/2010-PE-I]

RAKESH SRIVASTAVA, Jt. secy.

Note : The principal regulations were published *vide* number G.S.R. 450 (E), dated the 4th May, 1987 and amended *vide* number G.S.R. 810 (E), dated 24th September, 1990 and number G.S.R. 746 (E), dated 25th September, 2000.